भा वा अ शि प - वन उत्पादकता संस्थान, राँची

(भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद, देहरादून)

गोड्डा के कृषकों हेतु लाह उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक : 31.10.2023 से 02.11.2023

आयोजित स्वच्छता अभियान 3.0 की झलकियाँ

भावाअशिप – वन उत्पादकता संस्थान, राँची के सहयोग से वन प्रमंडल, गोड्डा के कृषकों हेतु “लाह उत्पादन “ बिषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन श्री एस.एन. वैद्य (सेवानिवृत, मु.त.अ.) एवं श्री बी. डी. पंडित , स. मु. त. अ. के नेतृत्व में एक दल द्वारा दिनांक 31.10.2023 से 02.11.2023 तक किया गया। कार्यक्रम में गोड्डा जिले के विभिन्न गावों से लगभग 51 महिला एवं परुष किसानो ने भाग लिया।

उदघाटन सत्र में वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री मौन प्रकाश, ने कहा कि ग्रामीणों एवं किसान संगठन के आग्रह पर यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रमंडल के किसानो का दायित्व बनता है की इसे गंभीरता से लेते हुए लाह उत्पादन कर अपनी जीविकापार्जन में शामिल करें एवं गोड्डा को लाह उत्पादन के क्षेत्र में अग्रिण बनाए। इस अवसर पर कृषि विज्ञान केंद्र के डॉ रवि शंकर एवं नाबार्ड के डी.डी.एम्. श्रीमती नूतन राज ने भी हितग्राहियों को संबोधित किया। वन विभाग के फ्रंट लाइन कर्मचारियों को लाह खेती के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में भविष्य के लिए तैयार रहने का निर्देश देते हुए वन प्रमंडल पदाधिकारी ने कहा की प्रशिक्षण ले रहे प्रत्येक वन कर्मी को अलग अलग कलस्टर बना कर लाह उत्पादन के लिए तयारी शुरू कर देना चाहिए । इस बाबत प्रमंडल कार्यालय के द्वारा हर संभव सहयोग दिया जाएगा।

वन क्षेत्र पदाधिकारी श्री संजय कुमार ने कहा कि लाह उत्पादन को भविष्य के टास्क के रूप में लेना होगा तथा वार्षिक कार्य योजना में प्राथमिकता के रूप में शामिल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि लाह के मूल उत्पाद का व्यवासायिक उपयोग किया जा सकता है तथा सह उत्पादों के उत्पादन हेतु सामूहिक रूप से लघु उद्योग के रूप में विकसितकिया जा सकता है।

प्रशिक्षण के दौरान वन उत्पादकता संस्थान के श्री बी. डी. पंडित ने लाह के किस्म , पोषक वृक्षों का प्रबंधन , लाह की खेती करने की प्रक्रिया , फ्लेमेंजिया सेमियालाता पर लाह उत्पादन , दुश्मन कीटों से लाह की सुरक्षा आदि पर विस्तार से किसानो को समझाया। श्री एस.एन. वैध , लाह विशेषज्ञ (सेवानिवृत मु.त.अ.) ने पोषक वृक्ष, लाह प्रसंस्करण, बाज़ार, लाह कीट के जीवन चक्र आदि के विषय में बताया। किसानो को प्रायोगिक प्रशिक्षण में पोषक वृक्षों का कलम करना लाह बीज का संचारण करना, फूंकी उतारना आदि बताया गया।

गोड्डा के कृषकों हेतु लाह उत्पादन विषय पर प्रशिक्षण

दिनांक : 31.10.2023 से 02.11.2023

समापन सत्र में किसानो एवं वन कर्मियों से प्रतिक्रया लिया गया तथा चर्चा के दौरान विभिन्न लाह खेती से जुड़ी शंकाओं को श्री बी.डी. पंडित एवं उनके दल द्वारा समाधान किया गया।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री मौन प्रकश , भा.व.से. ने किसानो से आग्रह किया कि लाह उत्पादन के लिए आवश्यक कार्यवाही शरू की जाय एवं वन कर्मी उनका नेतृत्व करें। संस्थान से भी आग्रह किया कि एक वार्षिक चक्र में प्रत्येक प्रक्रिया में सहयोग करे जिससे किसानो का मनोबल बढ़ता रहे और गोड्डा को लाह उत्पादन के क्षेत्र में झारखण्ड के नक़्शे में शामिल किया जा सके। उन्होंने वन उत्पादकता संस्थान के अधिकारियों को इस प्रशिक्षण के संचालन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया।

वन उत्पादकता संस्थान की ओर से श्री बी.डी. पंडित के द्वारा वन मंडलाधिकारी, गोड्डा एवं समस्त कर्मचारियों तथा किसानो को धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम की झलकियाँ

भा वा अ शि प-वन उत्पादकता संस्थान, रांची